केन्द्र प्रवर्तित योजना के तहत

महाविद्यालय में संपादित गतिविधियाँ

सत्र 2020-21

संरक्षक :

प्राचार्य

डॉ. (श्रीमती) निशी भाम्बरी

उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर छत्तीसगढ़

उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर छत्तीसगढ़
Institute of Advanced Studies in Education
Bilaspur (C.G.)

आमुख

उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर छत्तीसगढ़ प्रतिवर्ष शिक्षकों एवं बी.एड. तथा एम.एड. के प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में गुण्वत्ता एवं दायित्व निर्वहन हेतु आवश्यक कौशलों एवं क्षमताओं के विकास का कार्य करती है साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आवश्यकताओं प्रयोगों-विचारों एवं समस्याओं पर विचार मंथन कर नवाचार एवं शोध हेतु प्रेरित करती हैं।

किसी संस्था की क्रियाशीलता व रचनात्मकता उसके मूल दायित्वों से जुड़ी होती है। उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर में केंद्र प्रवर्तित योजना के तहत सत्र 2020-21 में शिक्षक प्रशिक्षकों शालेय शिक्षकों एवं प्रशिक्षण को नवीन दिशा प्रदान करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे सेवाकालीन प्रशिक्षण, उन्मुखीकरण, संगोष्ठी, कार्यशाला, शोध, नवाचार इत्यादि के माध्यमों से कार्य किया जाता है। वर्तमान महामारी के दौर में शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आवश्यकताओं व प्रयोगों के अनुरुप बदलाव के लिए हम तत्पर रहते हैं तथा विद्यालय की वास्तविक स्थितियों में संबंधित शैक्षिक समस्याओं पर शोध व प्रयोग के माध्यम से समाधान खोजने का प्रयास किया जाता है ताकि वर्तमान बदलते तकनीकी के अनुरुप परिवेश में शिक्षकों में वांछित कौशल क्षमता के साथ उत्कृष्ट कार्य के लिए तैयार कर सकें।

उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर में केंद्र प्रवर्तित योजना के तहत संपादित विभिन्न कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी प्रतिपुष्टि व सुझाव के माध्यम से आगामी सत्र 2021-22 में संस्था के द्वारा किए जाने वाले कार्य के निर्धारण में सहायक व उपयोगी सिद्ध होती है जिसके द्वारा शोध के साथ-साथ वास्तविक आयामों पर समस्या समाधान प्रशिक्षण एवं सामाग्री निर्माण की आवश्यकता भी दृष्टिगोचर होती है अतः उक्त संकलन सामाग्री के माध्यम से हम वर्तमान शैक्षिक क्षितिज की नवीन चुनौतियों हेतु स्वयं व शिक्षक वृंद को तैयार कर पाते हैं। उल्लेखनीय है कि शिक्षा गुणवत्ता के अंतर्गत शासन के द्वारा सतत् प्रयासों के बाद भी शासकीय शालाओं में शिक्षण सामाग्री तथा उपलब्ध संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित किया गया, किंतु नवीन शिक्षा नीति के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने एवं वैश्विक विद्यार्थी तैयार करने के मार्ग में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। अतः विद्यालय कक्षा शिक्षण में आवश्यक सुधार के पहल में अग्रगण्य होने का दायित्व शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों का ही है। इस कार्य हेतु हमारी संस्था व्यवसायिक रुप से दक्ष शिक्षक तैयार करने हेतु प्रतिबद्ध है एवं सदैव सतत् प्रयत्नशील है।

प्राचार्य
उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान
बिलासपुर छत्तीसगढ़

अनुक्रमणिका

क्र.	विषय	पृष्ठ क्रमांक
1.	केन्द्र प्रवर्तित योजना के तहत आचार्यो द्वारा किये जाने वाले शोध विषयों की सूची	01
2.	राष्ट्रीय स्तर पर वेबीनार का आयोजन ''दर्शन शास्त्रीय शोध''	03
3.	राष्ट्रीय वेबीनार ''हैप्पीनेस एण्ड वेल बीइंग''	06
4.	अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार ''चैलेंजिस इन एजुकेशन इन करंट सिनेरियो''	10
5.	राष्ट्रीय स्तरीय ''ई वर्कशॉप''	13
6.	''शार्ट टर्म कोर्स ऑन लेंगवेज प्रोफेसिएंसी''	15
7.	''कक्षा-कक्ष प्रबंधन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम''	19
8.	''लिंग संवेदीकरण शिक्षक प्रशिक्षण''	24
9.	''गणित विषय उन्नयन कार्यक्रम''	28
10.	''आई.सी.टी. उन्मुखीकरण / संवर्धीकरण कार्यक्रम''	32

1

केंद्र प्रवर्तित योजना के तहत आचार्यो द्वारा किए जाने वाले शोध विषय की सूची निम्नानुसार है-

शोधकर्ता का नाम	शीर्षक
1. श्रीमती रीमा शर्मा	Mapping of English Learning Outcomes with text of class 10th An analytical study.
2. डॉ.एस.उषामणी	भौतिक विज्ञान विषय के अवधारणात्मक समझ में व्चर्युअल लेब की प्रभावशीलता का अध्ययन।
3. डॉ.क्षमा त्रिपाठी एवं श्री डी.के.जैन	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का वर्तमान शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम के संदर्भ में अध्ययन
4. श्रीमती महालक्ष्मी सिंह	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर संस्कृत विषय पाठ्यवस्तु का अधिगम संप्राप्ति के संदर्भ में अध्ययन ।
5. डॉ.सुदेशना वर्मा	कक्षा 10वीं विज्ञान विषय के पाठ्यवस्तु का अधिगम सप्राप्ति के संदर्भ में अध्ययन।
6. श्रीमती मनीषा वर्मा	कक्षा 9वीं विज्ञान विषय के पाठ्यवस्तु का अधिगम सप्राप्ति के संदर्भ में अध्ययन।
7. डॉ.अजिता मिश्रा	कक्षा 10वीं सामाजिक विज्ञान विषय के पाठ्यवस्तु का अधिगम सप्राप्ति के संदर्भ में अध्ययन।
8. श्रीमती नीला चौधरी	पढ़ाई तुहर द्वार कार्यक्रम के तहत शिक्षकों में विकसित डिजीटल क्षमता एवं ऑनलाईन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं का अध्ययन
9. श्रीमती रश्मि पाण्डेय	Awarness and compertency of teacher education in relation to learning outcomes, e-content development and e-classes; A study.
10. डॉ.बी.व्ही.रमणाराव	A study of Science Ethics Awarness of

शोधकर्ता का नाम	शीर्षक
	science teacheers at Higher Secondary School Level.
11. डॉ.संजय आयदे	Parental Involvement in Virtual Teaching & Learning among Government and Private Higher Secondary School Student of Bilaspur District in Chhattisgarh.
12. श्रीमती अंजना अग्रवाल	A Study of LOs awarness in teachers at High School Level.
13. डॉ. रजनी यादव	कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम के तहत शिक्षकों में विकसित कैरियर निर्देशन क्षमता एवं कैरियर निर्देशन में आने वाली समस्याओं का अध्ययन।

2

कार्यक्रम का नाम	-	**राष्ट्रीय स्तर पर वेबीनार का आयोजन**
विषय	-	**दर्शन शास्त्रीय शोध**
दिनांक	-	13 जुलाई 2020, समय 9:30**AM** से 4:00**PM** तक
कार्यक्रम प्रभारी	-	डॉ. बी.वी. रमना राव, श्रीमती प्रीति तिवारी, श्री डी.के. जैन, श्रीमती नीला चौधरी
शोध विषय विशेषज्ञ	-	प्रोफेसर बी.सी. महापात्रा, प्रोफेसर आयुष्मान गोस्वामी, प्रोफेसर अरविंद झा, प्रोफेसर रजनी रंजन सिंह, प्रोफेसर श्रुति मिश्रा।
हितग्राही समूह	-	शासकीय एवं निजी बी.एड. महाविद्यायलय **M.Ed** शिक्षार्थी एवं शोधार्थी वृंद
बेबीनार प्लेटफॉर्म	-	वेबैक्स

कार्यक्रम का विवरण-

डॉ. अजिता मिश्रा द्वारा कार्यक्रम की रुपरेखा बताई गई, साथ ही वेबीनार समन्वयक-डॉ. बी.वी. रमना राव के द्वारा कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी इसके उद्देश्य तथा इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

तत्पश्चात् प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। महाविद्यालय की माननीय प्राचार्य डॉ. निशी भाम्बरी के द्वारा कार्यक्रम से जुड़े हुए समस्त शिक्षक प्रशिक्षण, शिक्षक शोधार्थी एवं विषय विशेषज्ञों का अभिनंदन एवं स्वागत किया गया व सफलता हेतु आशीर्वचन कहे गए। तत्पश्चात् महाविद्यालय से संबंधित जानकारी एवं उपलब्धियों पर डॉ. ए.के. पोद्दार के द्वारा जानकारी प्रस्तुत की गई माननीय प्रोफेसर जी.डी. शर्मा, कुलपति अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय के द्वारा उत्साहवर्धन के लिए महत्वपूर्ण आशीर्वचन कहे गए।.

वेबीनार के द्वितीय सत्र में प्रोफेसर बी.सी. महापात्रा शिक्षा महाविद्यालय भोपाल के द्वारा दर्शन शास्त्रीय शोध से संबंधित महत्वपूर्ण विषय एवं मुद्दों पर जानकारी दी गई। प्रोफेसर आयुष्मान गोस्वामी, आर.आई. अजमेर के द्वारा दर्शन शास्त्रीय शोध से संबंधित प्रारुप लेखन व समीक्षा कैसे की जाए इस पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गयी। तत्पश्चात् प्रोफेसर अरविंद झा, डीन व विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग बी.आर.अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के द्वारा दर्शन शास्त्रीय शोध से संबंधित उपकरण व तकनीकों पर प्रकाश डाला गया।

तत्पश्चात् वेबीनार के तृतीय सत्र में प्रोफेसर रजनी रंजन सिंह, विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग, डॉ. शकुंतला मिश्रा, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के द्वारा दर्शन शास्त्र शोध से संबंधित तथ्यों का संकलन व विश्लेषण पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रोफेसर श्रुति मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर दर्शन शास्त्र विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के द्वारा दर्शन शास्त्रीय शोध पर अंतिम लेख रिपोर्ट के चरणों को विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर श्रीमती नलिनी पांडे के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

उपलब्धि

राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में भारत के सभी राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों से विभिन्न विश्वविद्यालय व महाविद्यालय, शोध केन्द्र एवं शालाओं के शिक्षक एवं शिक्षक प्रशिक्षकों की सराहनीय सहभागिता रही। कुल 1350 प्रतिभागी रही। कुल 1350 प्रतिभागी वेबीनार में सम्मिलित हुए। प्रतिभागियों को महाविद्यालय की टेक्नीकल टीम द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

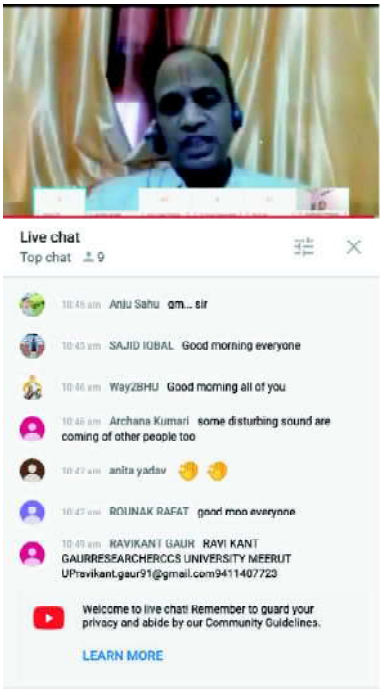

Live chat
Top chat
Anju Sahu gm... sir
SAJID IQBAL Good morning everyone
Way2BHU Good morning all of you
Archana Kumari some disturbing sound are coming of other people too
anita yadav
ROUNAK RAFAT good moo everyone
RAVIKANT GAUR RAVI KANT GAURRESEARCHERCCS UNIVERSITY MEERUT UPravikant.gaur91@gmail.com9411407723
Welcome to live chat! Remember to guard your privacy and abide by our Community Guidelines.
LEARN MORE

Institute of Advance Studies in Education

INSTITUTE OF ADVANCE STUDIES IN EDUCATION, BILASPUR, C.G.
(Accredited 'A' Grade By NAAC)
Affiliated to Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur, C.G.
NATIONAL WEBINAR ON PHILOSOPHICAL RESEARCH
13 July 2020 at 9:30 AM To 4:00 PM
Speaker-1
Prof. Ayushman Goswami
Prof. Arbind Jha
Speaker-2
Speaker-3
Prof. Rajani Ranjan Singh
Dr. Shruti Mishra
Speaker-4
It's FREE!
Registration Link: https://bit.ly/iase-nwpr
Open: Till 12th July Only
Contact Us
Dr. Nishi Bhambri
(Principal)
will be provided on registration and after submission feedback, Webinar link will be provided after registration via email.

3

कार्यक्रम का नाम	-	**राष्ट्रीय वेबीनार**
विषय	-	**हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग**
दिनांक	-	20 जुलाई 2020
कार्यक्रम प्रभारी	-	डॉ. शमा त्रिपाठी, श्रीमती रीमा शर्मा, डॉ. बी.व्ही. रमना राव, श्रीमती प्रीति तिवारी, श्रीमती नीला चौधरी व श्री डी.के. जैन
विषय विशेषज्ञ	-	प्रोफेसर बी.जी. सिंह, माननीय कुलपति पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) श्री आनंद देसाई, आर्ट ऑफ लिविंग, डॉ. अनिल तेवतिया, प्राचार्य डाईट, न्यू दिल्ली
हितग्राही समूह	-	उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक एवं शिक्षा महाविद्यालय, डाइट के शिक्षक एवं शिक्षक प्रशिक्षक एवं **B.Ed, M.Ed** प्रशिक्षणार्थी गण 725 पंजीकृत

वेबीनार प्लेटफॉर्म वेबैक्स के माध्यम से

कार्यक्रम का विवरण–

राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार के आयोजन के संदर्भ में आवश्यक है की मानवीय जीवन की सार्थकता आनंद पूर्वक जीने में ही है। खुशी व्यक्ति के जीवन के गुण, कार्य करने की क्षमता एवं गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। साथ ही वर्तमान महामारी के दौर में प्रत्येक व्यक्ति मानसिक रुप से, सामूहिक रुप से बहुत सी चुनौतियों का सामना कर रहा है। वह अपनी मानसिक स्थिति में खुशी लाने के लिए किस तरह से वह प्रयास करें, इस पर विचार की प्रक्रिया चल रही है, अध्ययन अध्यापन प्रक्रिया में भी शिक्षक के रुप से बहुत सी चुनौतियाँ है, साथ ही शिक्षक की विद्यार्थी तक पहुँच नहीं बन पा रही है।

वर्तमान समय में हम मानसिक रुप से किस तरह से अपने आप को भी स्वस्थ रखें और विद्यार्थियों को भी इससे जोड़ें व प्रसन्न रखें। अध्ययन अध्यापन की प्रक्रिया को गुणवत्ता युक्त व रोचक बनाने के लिए आवश्यक है कि शिक्षक स्वयं अपने मानसिक स्थिति स्वस्थ रखें व प्रसन्नचित्त रहें, तभी वहां विद्यार्थियों को पढ़ाई व रोचक अध्ययन अध्यापन प्रक्रिया से जोड़ पाएगा। शालेय वातावरण को किस प्रकार स्वच्छ स्वस्थ

व खुशहाल बनाएं इस संबंध में विषय प्रोफेसर बी. जी. सिंह के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। शिक्षण के क्षेत्र में मानसिक स्वास्थ्य का महत्व विद्यार्थियों में निराशा द्वंद की स्थिति का सामना किस तरह से किया जाए इस पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई वेबीनार के द्वितीय सत्र में अंतरराष्ट्रीय आर्ट ऑफ लिविंग के आचार्य श्री आनंद देसाई के द्वारा शिक्षकों में एकाग्र चित्त व प्रसन्न चित्त की खोज कैसे करें माइंडफूलनेस पर इन्होंने सकारात्मक चर्चा की व वर्तमान परिस्थितियों से भी मानसिक स्वास्थ्य को योग-ध्यान से जोड़ा। वेबीनार के तृतीय मुख्य वक्ता डॉ.अनिल तेवतिया, प्राचार्य डाईट, न्यू दिल्ली के द्वारा शालाओं में सकारात्मक आनंदपूर्ण वातावरण निर्मित करने पर अपनी बात रखी। पाठ्यक्रम में हैप्पीनेस को किस तरह से शामिल करें, क्यों करें, इस पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। वेबीनार में मुख्य वक्ताओं के साथ अटल बिहारी बाजपेई विश्वविद्यालय, बिलासपुर के माननीय कुलपति, प्रोफेसर जी. डी. शर्मा के द्वारा विद्यालयों में आनंददाई वातावरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्राचार्य, उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान डॉ. निशी भाम्बरी के द्वारा भी संस्था में इस वेबीनार के आयोजन के उद्देश्य व महत्व से अवगत कराया व सभी मुख्य वक्ताओं, श्रोताओं का स्वागत किया।

उपलब्धि–

वेबीनार का आयोजन बहुत ही सकारत्मक तरीके से, बहुत ही उत्साहवर्धक रुप में किया गया। प्रतिभागी लगभग 725 कार्यक्रम से जुड़े, उनके द्वारा कार्यक्रम में प्रदत्त विभिन्न जानकारी को बहुत उपयोगी बताया। वह शालाओं में आनंददायक वातावरण एवं स्वयं के लिए स्वस्थ व सकारात्मक होने के महत्व को समझा।

कार्यक्रम कत समाप्ति पर डॉ.सुदेशना वर्मा के द्वारा समस्त प्रतिभागियों एवं श्रद्धेय आचार्य गणों को आभार प्रदत किया। कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत प्रतिभागियों को ऑनलाइन वेबीनार से संबंधित सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

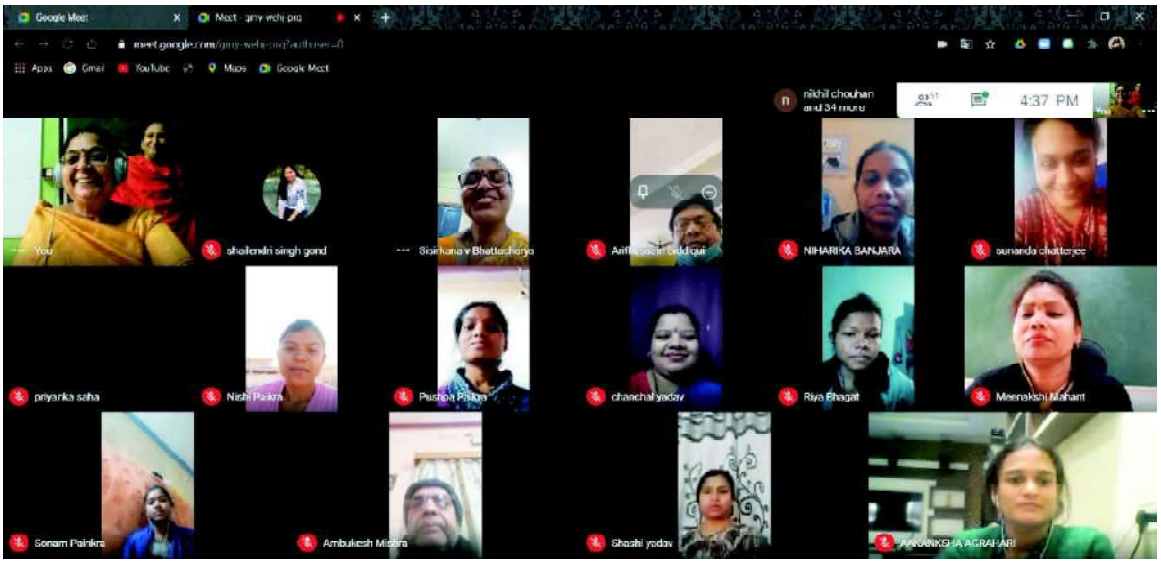

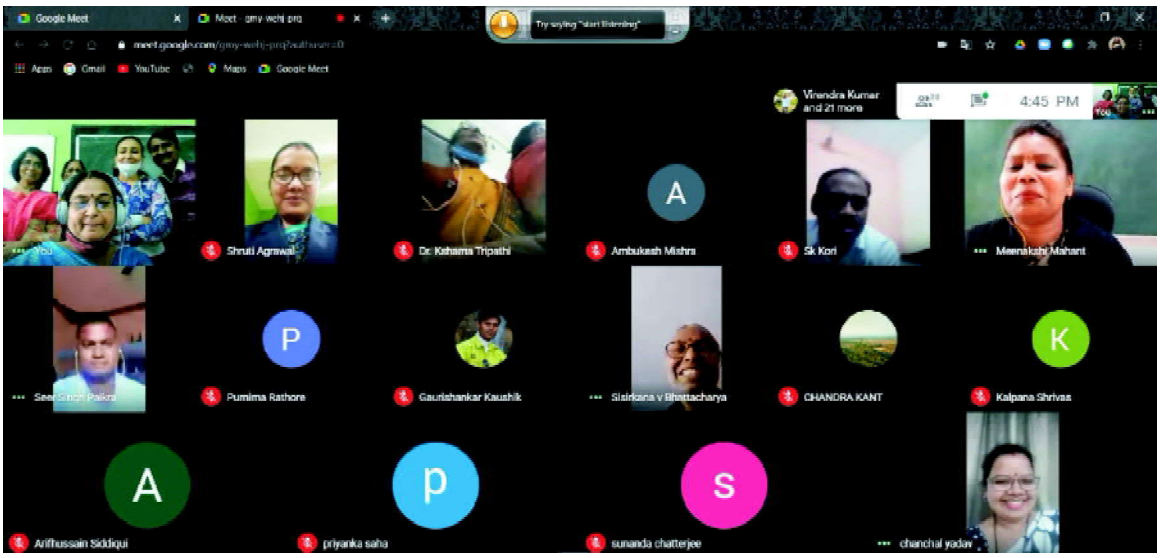

shailendri singh gond
NIHARIKA BANJARA
sunanda chatterjee
priyanka saha
chanchal yadav
Meenakshi Mahant
Sonam Painkra
Shashi yadav
4:37 PM

Shruti Agrawal
Ambukesh Mishra
Sk Kori
Purnima Rathore
Gaurishankar Kaushik
CHANDRA KANT
Kalpana Shrivas
Arifhussain Siddiqui
priyanka saha
sunanda chatterjee
chanchal yadav
4:45 PM

shivesh tiwari
ANAMIKA DUBEY
Meenakshi Mahant
sunanda chatterjee
lalit dubey
CHANDRA KANT
Vandana Singh
chanchal yadav
Nishi Paikra
Ambukesh Mishra
Sucheta Jaiswal
2:18 PM

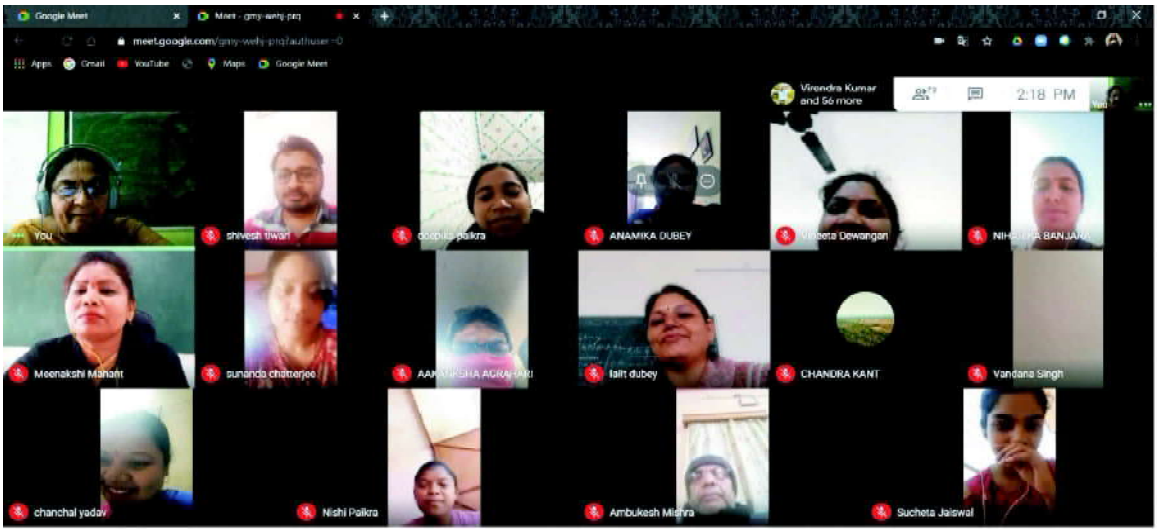

Tukaram Chandr...
and 49 more
4:33 PM

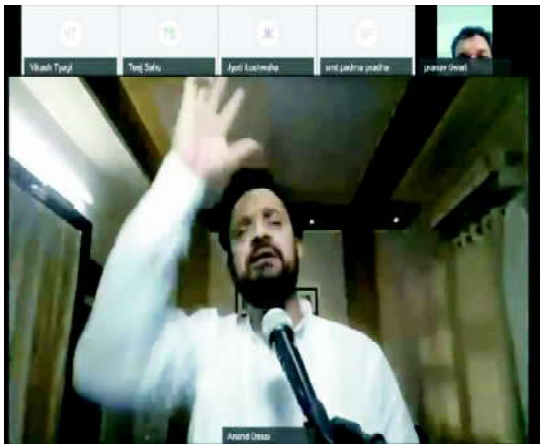

Reema sharma
You
M M
52 oth...

4

अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

विषय	-	चैलेंजिस इन एजुकेशन इन करंट सिनेरियो
दिनांक	-	7 अगस्त 2020
आयोजक समूह	-	डॉ. यू.वी वारे, डॉ. संजय आयदे, डॉ.क्षमा त्रिपाठी, डॉ. उषा मनी, डॉक्टर सुदेशना वर्मा, श्रीमती नीला चौधरी
हितग्राही समूह	-	शिक्षा जगत में जुड़े समस्त शिक्षक प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी गण 900 से अधिक पंजीकृत तथा 50 ई. पेपर जमा किए है।
वेबीनार प्लेटफॉर्म	-	वेबैक्स
स्त्रोत विषय विशेषज्ञ	-	माननीय श्री अतुल कोठारी राष्ट्रीय शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली प्रोफेसर मुकुंद हमबर्डे छत्तीसगढ़ विज्ञान व तकनीकी परिषद के पूर्व प्रबंधक प्रोफेसर एस के पांडे, रवि शंकर शुक्ला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री अभिषेक अग्रवाल, सीईओ, सिंगापुर

कार्यक्रम का विवरण–

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से हुई। कार्यक्रम के आरंभ में उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान प्राचार्य डॉ. निशी भाम्ब री के द्वारा कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य को बताया एवं सभी का अभिवादन किया। तत्पश्चात् कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर अंजिला गुप्ता, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति के द्वारा कार्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डाला माननीय प्रोफसर जी.डी. शर्मा विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वचन प्रदान किया गया।

तत्पश्चात् अंतरराष्ट्रीय वेबीनार के प्रथम सत्र में माननीय श्री अतुल कोठारी, सचिव शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के द्वारा शिक्षा के माध्यम से नैतिक मूल्य आधारित शिक्षा पर महत्वपूर्ण जानकारी दी किस तरह से शिक्षा, चरित्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन करती है इस पर प्रकाश

डाला तत्पश्चात प्रोफेसर मुकुंद हमबर्डे के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में विज्ञान व तकनीकी का प्रयोग नवाचार व आवश्यकता पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्रोफेसर एस. के. पांडे के द्वारा वर्तमान परिस्थितियों में नवाचारी शैक्षिक तकनीकों के विषय में विस्तार में बताया गया। डॉ अभिषेक अग्रवाल के द्वारा वर्तमान शैक्षिक परिस्थितियों में विश्व तथा भारत के द्वारा चुनौतियां का सामना कैसे करें पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

अंतराष्ट्रीय वेबीनार में लगभग 500 प्रतिभागियों के द्वारा लाइव सेशन ज्वाइन किया गया तथा 50 ई पेपर प्राप्त किए गए। जिसमें से 12 उत्कृष्ट पेपर प्रेजेंट करने की अनुमति प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में संक्षेप में चुने गए उत्कृष्ट शोध पेपर का प्रस्तुतीकरण किया गया, तत्पश्चात माननीय अतिथि गण, संबंधित आचार्य गण एवं प्रतिभागियों को आभार प्रदर्शित किया गया।

उपलब्धि–

कार्यक्रम का आयोजन बहुत ही सरलता पूर्वक सकारात्मक तरीके से उत्कृष्ट वातावरण में सफलतापूर्वक किया गया। आयोजनकर्ता समूह में टीम भावना बहुत अच्छी रही, उन्होंने बहुत ही सहभागी व सामंजस्यपूर्ण वातावरण में कार्य को सफल बनाया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. मीतूषा वर्मा का तकनीकी रूप से बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा।

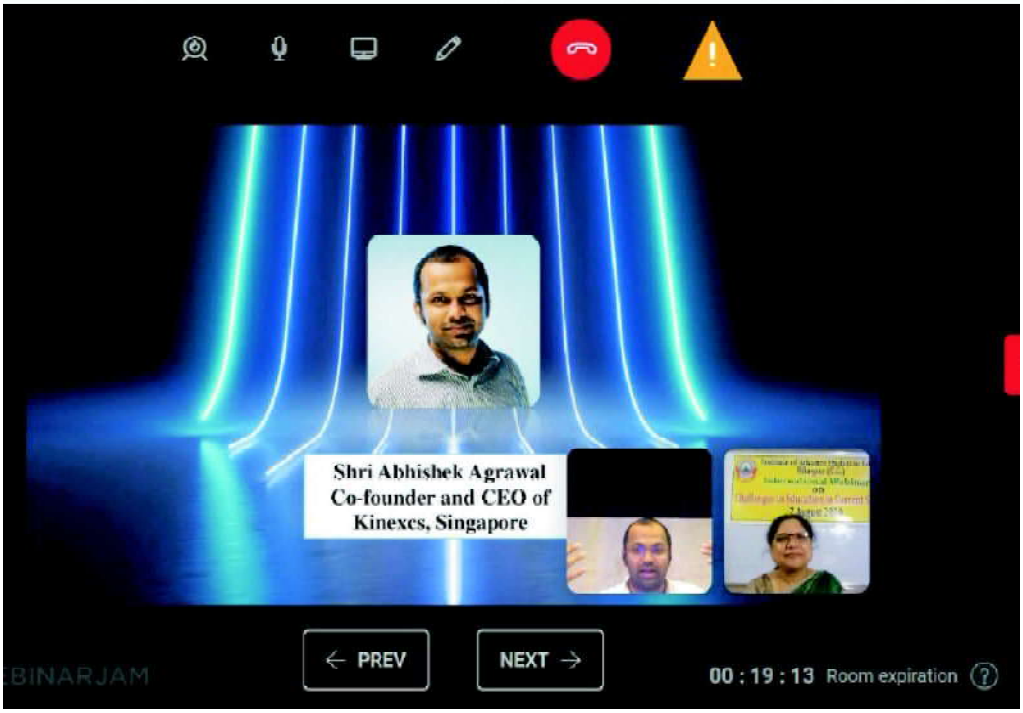

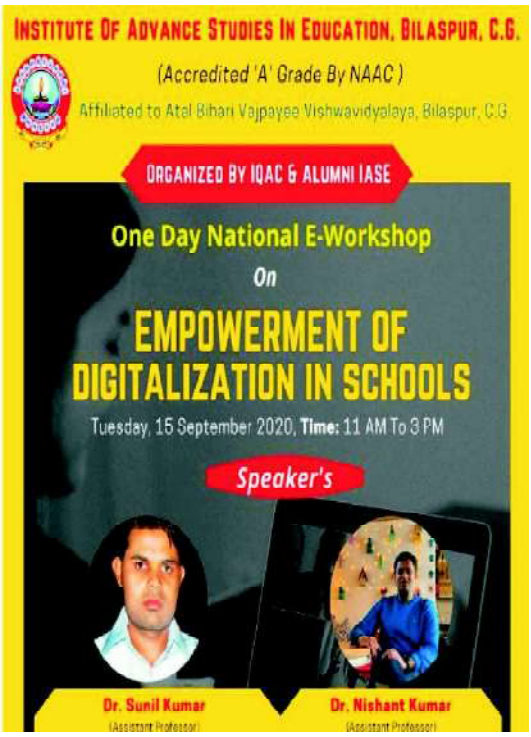

GOPESH KUMAR SAHU

सफल बेवीनार के आयोजन के लिए IASE बिलासपुर की पूरी टीम को बधाई । सभी आदरणीय को मेरा सादर नमस्कार ।

BHARAT PRASAD GUPTA

Thank you all organizer

Nivedita Sahu

Thnx to all dear sir n mam

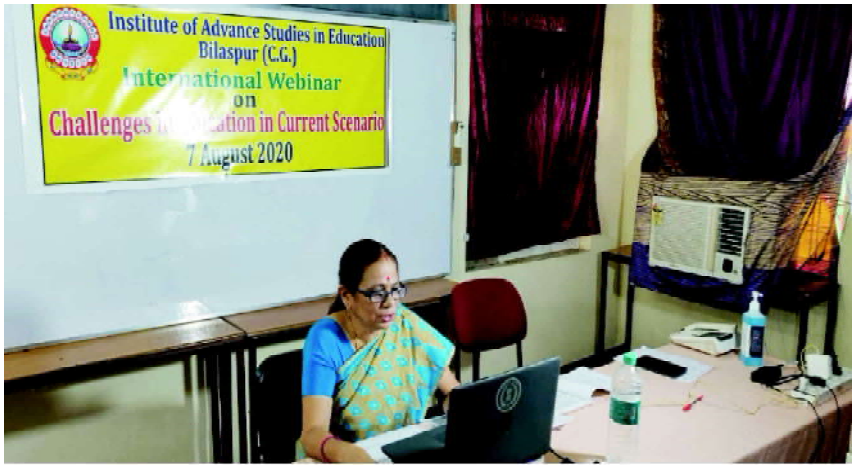

5

कार्यक्रम - **राष्ट्रीय स्तरीय ई-वर्कशॉप**

विषय - **Empowerment of School Through Digitization With Reference to NPE - 2020**

दिनांक - 15 व 16 सितम्बर 2020

समय - प्रातः 11.30 से 2.00 बजे तक

कार्यक्रम प्रभारी - श्रीमती नलिनी पाण्डेय (समन्वयक **IQAC** व एलुमनी)

स्त्रोत विशेषज्ञ - डॉ. निशा सिंग (उपप्रबंधक **IGNOU**)
डॉ. सुनील कुमार (प्रो. स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, मेरठ, उ.प्र.)
डॉ. निशांत कुमार, प्रो. गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड

तकनीकी समिति - श्री डी. के. जैन, श्री निलेश वर्मा

संचालन समिति .- श्री अशोक भार्गव, डॉ.धनंजय पाण्डेय,
श्री विद्याभूषण शर्मा, श्रीमती ज्योति सक्सेना

वेबीनार संचालन प्लेटफार्म - वेबेक्स

कार्यक्रम विवरण - संस्था की शैक्षिक गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए **IQAC** सतत् रुप से कार्यरत है। कोविड-19 के कारण बदलती परिस्थितियों में सेमिनार को वेबीनार व वर्कशॉप को **e-workshop** के रुप में आयोजित करने की आवश्यकता पर सहमति बनी।

वर्तमान बदलते शैक्षिक परिदृश्य में विद्यालयीन व महाविद्यालयीन शिक्षकों को ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन में आने वाली कठिनाईयों को दूर करने के उद्देश्य से **e-workshop** का आयोजन किया गया।

प्रथम दिवस –

e-workshop की शुरुआत श्रीमती नलिनी पाण्डेय, समन्वयक के द्वारा हुई, उन्होंने वर्कशॉप के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात सरस्वती वंदना के साथ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निशी भामरी के द्वारा कार्यक्रम की सफलता हेतु आशीर्वचन कहे गये।

e-workshop के प्रथम दिवस 15 सितंबर 2020 को हमारे विषय विशेषज्ञ डॉ.निशा सिंह, उप प्रबंधक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

के द्वारा वर्तमान शैक्षिक परिवेश में शिक्षा के डिजिटलीकरण की आवश्यकता व महत्व पर उद्‌बोधन दिया। श्री विद्याभूषण द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

द्वितीय दिवस –

e-workshop की द्वितीय दिवस दिनांक 16 सितंबर को श्रीमती नलिनी पाण्डेय द्वारा कार्यक्रम संबंधी जानकारी प्रदान की तत्पश्चात डॉ.सुनील कुमार, प्रो.स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल कक्षा को प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा डॉ.निशांत शर्मा, प्रो.गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के द्वारा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया एवं वेब प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। वर्तमान में शिक्षकों द्वारा किन-किन शैक्षिक उपकरणों का उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है। इस पर सरलतम तरीके से उदाहरण व दृष्टांत द्वारा जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम की समाप्ति पर डॉ.धनजंय पाण्डेय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

प्रतिपुष्टि –

इस प्रकार एल्यूमिनी एसोसिएशन एवं **IQAC** टीम के संयुक्त तत्वाधान में **e-workshop** सहज रुप से ऑनलाइन प्लेटफार्म में आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के 550 विभिन्न विषयों के शिक्षक विषय विशेषज्ञों के द्वारा दी जानकारी से लाभान्वित हुए। इन्हें **e-workshop** पश्चात प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

-00-

6

शॉर्ट टर्म कोर्स प्रोग्राम ऑन लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी

दिनांक	-	11 जनवरी से 15 जनवरी 2021
समय	-	अपरान्ह 2:00 बजे से 4:30 बजे तक
कार्यक्रम प्रभारी	-	श्रीमती रीमा शर्मा, डॉ. क्षमा त्रिपाठी, श्री राजेश गौराहा, श्रीमती रश्मि पांडेय
संपोर्ट विषय विशेषज्ञ	-	डॉ. शिशिरकना भट्टाचार्य, असिस्टेंट प्रोफेसर डाइट दुर्ग, श्रीमती नीलम दुबे, व्याख्याता डाइट दुर्ग
टेक्निकल टीम	-	श्री सुरेश साहू, श्री गौरी शंकर, श्रीमती आकांक्षा अग्रहरी, श्रीमती श्रुति अग्रवाल,
ऑनलाइन कार्यक्रम प्लेटफार्म	-	गुगल मीट
हितग्राही समूह	-	शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्था के आचार्य, प्रशिक्षणार्थी एवं शिक्षक प्रशिक्षक

कार्यक्रम विवरणः-

ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम बीएड पाठ्यक्रम के संदर्भ में लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी विषय पर शिक्षकों को समृद्ध व कौशल करने के लिए आयोजित किया गया। भाषा हमारे जीवन शैली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, भाषा के बगैर हम संप्रेषण व सीखने संबंधी किसी भी कार्य के बारे में सोच नहीं सकते यह संप्रेषण व सीखने से संबंधित विभिन्न कौशलों से युक्त होता है इसलिए यह आवश्यक है कि हमारे भावी शिक्षक भाषा प्रवीणता के विभिन्न आयामों से अवगत हो जाए और इसमें प्रवीणता प्राप्त करें। संबंधित समझ प्राप्त करके वह अपने कार्य में और निखार व गुणवत्ता ला सकते हैं इसलिए शासकीय उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान के द्वारा पांच दिवसीय शॉर्ट टर्म कोर्स आयोजित किया गया जो कि वर्चुअल मोड में था। यह ऑनलाइन शॉर्ट टर्म कोर्स शासकीय व निजी शिक्षण संस्थान तथा डाइट के शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए डिजाइन किया गया तथा इसके माध्यम से बीएड व डीएड के विद्यार्थियों को लाभान्वित करना रहा है।

उक्त कार्यक्रम में 124 प्रतिभागियों ने पूरे राज्य से अपनी सहभगिता दी तथा प्रतिदिन संबंधित कार्यक्रम से संबंधित प्रतिपुष्टि फीडबैक व विभिन्न एक्टिविटी में सक्रिय सहभागिता दी हमारे विषय

विशेषज्ञ डॉ. क्षमा त्रिपाठी के द्वारा विषयवस्तु के विभिन्न प्रकार पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई जैसे-स्टोरी आत्मकथा बायोग्राफी ड्रामा काव्य गद्य नाट्य इत्यादि को उदाहरण के साथ बहुत अच्छी तरह से स्पष्ट किया गया।

हमारे विषय विशेषज्ञ डॉ. सिसिरकना भट्टाचार्य के द्वारा भाषा से संबंधित डायलॉग एंड डिस्को के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए उदाहरण के माध्यम से स्पष्ट जानकारी दी गई। श्रीमती नीलम दुबे के द्वारा बहुत ही रोचक तरीके से सीखने के कौशल से संबंधित जानकारी को एक कहानी के रुप में प्रस्तुत कर प्रदान की गई, जिसमें विद्यार्थियों की विशेष रुचि रही। प्रत्येक सत्र के बाद प्रतिभगियों की प्रतिपुष्टि प्रश्नोतरी मैंटीमीटर के माध्यम से प्राप्त की गई। श्रीमती रीमा शर्मा के द्वारा विभिन्न प्रकार के पाठ्यवस्तु का हमारे दैनिक जीवन में उपयोगिता पर उन्होंने पार्टिसिपेटरी प्रेजेंटेशन दिया। श्री राजेश गौरहा के द्वारा रीडिंग के विभिन्न आयामों एवं घटकों पर प्रकाश डाला उदाहरण सहित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

शार्ट टर्म कोर्स के अंतिम दिवस - श्रीमती रश्मि पांडे के द्वारा राइटिंग स्किल के विभिन्न आयामों को उदाहरण के साथ बहुत अच्छी तरह से प्रस्तुत किया गया व प्रतिभागियों को अभ्यास के माध्यम से स्पष्ट जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निशी भांमरी के द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य के आधार पर कार्यक्रम की सराहना की। प्रतिभागियों से प्रतिपुष्टि प्राप्त की व महत्वपूर्ण आशीर्वचन प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर क्षमा त्रिमाठी के द्वारा सभी प्रतिभागियों, आचार्य एवं विषय विशेषज्ञों का आभार प्रदर्शित किया।

उपलब्धि

5 दिवसीय शार्ट टर्म कोर्स बहुत ही सुचारु रुप से डिजाइन स्वरुप से प्रतिदिन 2:00 से 4:30 बजे तक निर्बाध रुप से आयोजित किया गया। यह लाइव सत्र में 124 प्रतिभागियों ने पूरे राज्य एवं राज्य के बाहर से भी लाभान्वित हुए। प्रत्येक व्याख्यान के पश्चात प्रतिपुष्टि व प्रश्नोतरी को प्रतिभगियों ने बहुत अधिक व आनंददायक रुप से भागीदारी दी व स्पष्ट जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यह बताया प्रतिभगियों ने क्षेत्रीय स्तर पर आने वाली समस्याओं का समाधान भी विषय विशेषज्ञों के साथ चर्चा के माध्यम से प्राप्त किया। इस तरह कार्यक्रम बहुत ही सफल व सराहनीय रहा।

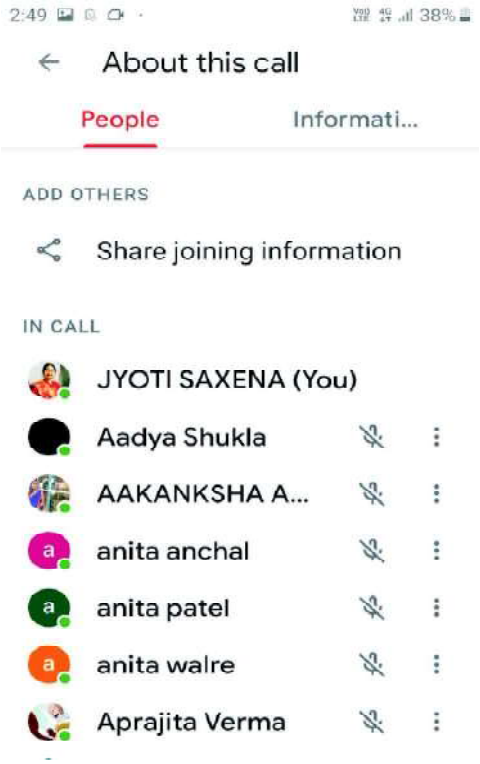
2:49
38%
About this call
People
Informati...
ADD OTHERS
Share joining information
IN CALL
JYOTI SAXENA (You)
Aadya Shukla
AAKANKSHA A...
anita anchal
anita patel
anita walre
Aprajita Verma

2021-01-12 (1).png
12 Jan

IMG_20210112_140912.jpg
12 Jan

2021-01-14 (1).png
14 Jan

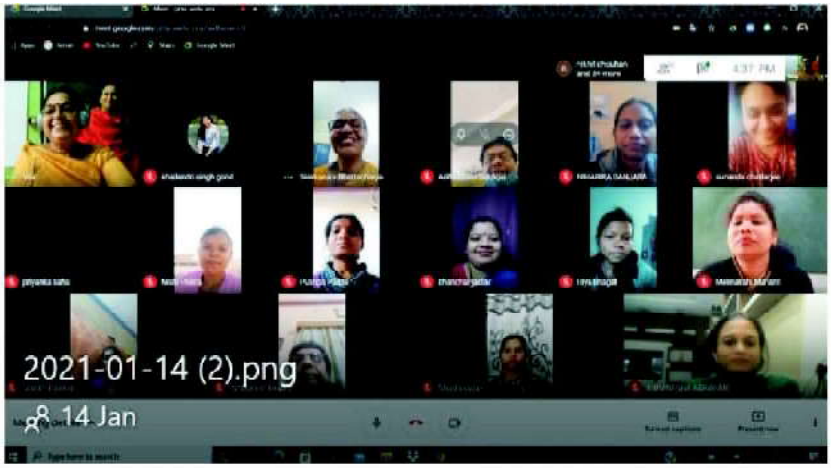
2021-01-14 (2).png
14 Jan

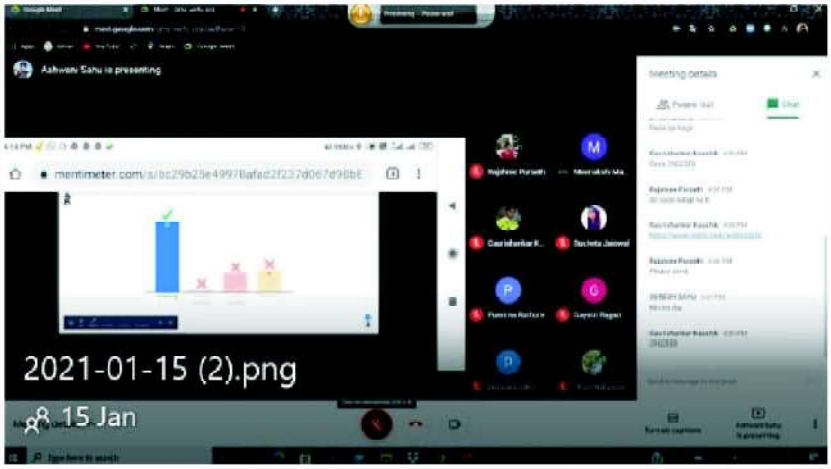
Ashwini Sahu is presenting
2021-01-15 (2).png
15 Jan

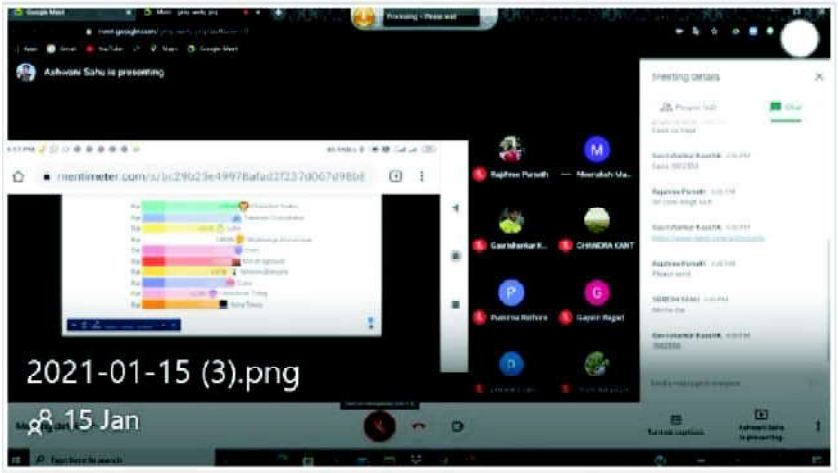
Ashwini Sahu is presenting
2021-01-15 (3).png
15 Jan

7

कक्षा-कक्ष प्रबंधन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक	-	11 जनवरी से 23 जनवरी 2021 तक पाँच दिवस
समय	-	अपरान्ह 2:00 बजे से 4:30 बजे तक
कार्यक्रम प्रभारी	-	श्रीमती प्रीति तिवारी एवं श्रीमती नीला चौधरी
तकनीकी टीम	-	श्री सुरेश साहू, श्रीमती आकांक्षा अग्रहरी, श्री गौरी शंकर, श्रीमती श्रुति अग्रवाल,
विषय विशेषज्ञ	-	डॉ.वंदना पुनिया, श्रीमती नलिनी पांडेय, डॉ.बी.वी.रमणाराव, डॉ.शिशिरकना भट्टाचार्य, डॉ.ए.के. पोद्दार, डॉ.अंजलि कुमारी, डॉ.रश्मि सिंघई
हितग्राही समूह	-	उच्च प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक एवं बी.एड. व एम.एड. के प्रशिक्षार्थीगण
ऑनलाइन कार्यक्रम प्लेटफार्म	-	गुगल मीट

कार्यक्रम विवरण-

विद्यार्थियों की व्यक्तिगत विभिन्नता के अनुरुप कक्षा का संचालन व प्रबंधन एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। शिक्षक को अपने विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करने के लिए उनकी सक्रिय सहभागिता व एकाग्रशील बनाने के लिए उपयुक्त कौशल की आवश्यकता होती है। वर्तमान डिजिटल व वैश्वीकरण के दौर में शिक्षक का विभिन्न विधा, साधन व प्रयोग रुपी संसाधनों से युक्त होना आवश्यक है।

कक्षा प्रबंधन के मुख्य उद्देश्य- (1) अनुचित व्यवहार में कमी लाना, (2) सामंजस्यपूर्ण समावेशी कक्षा वातावरण का निर्माण करना उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने उच्च व उच्चतर माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें 268 शिक्षकों की सफल सहभागिता रही।

प्रथम दिवस

दिनांक 19-01-2021 को कक्षा प्रबंधन की ऑनलाईन ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर द्वारा किया गया। दोपहर 2.00 बजे ऑनलाईन ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरुआत स्वागत तथा सरस्वती वंदना के साथ हुई जिसका संचालन आकांक्षा अग्रहरी तथा श्रुति अग्रवाल के द्वारा किया गया। तत्पश्चात् को-आर्डीनेटर श्रीमती-प्रीति तिवारी द्वारा कक्षा प्रबंधन कार्यशाला के उद्देश्यों के

बारे में विस्तार से प्रकाश डाला गया। कक्षा प्रबंधन ऑनलाईन ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिये एक माड्यूल डवलप किया गया जिसका पीडीएफ वॉटस्एप ग्रुप में प्रदान किया गया। तत्पश्चात् संस्थान की प्राचार्या डॉ. निशी भाम्बरी द्वारा कक्षा प्रबंधन, कक्षागत, व्यवहार, कक्षा संचालन के सिद्धांत, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रथम वक्ता के रुप में श्रीमती नलिनी पाण्डेय, प्रोफेसर उन्नत शिक्षण अध्ययन संस्थान बिलासपुर द्वारा कक्षा का वातावरण तथा बच्चों और शिक्षकों के बीच के संबंध और उसके अधिगम पर पड़ने वाले व्यवहार पर चर्चा की गई। अधिगम के लिए सक्रिय व सहज वातावरण कैसे तैयार करें इस बारे में सारगर्भित चर्चा तथा कार्यक्रम में सम्मिलित शिक्षकों की अंतः क्रिया तथा शंकाओं का समाधान किया गया।

द्वितीय सत्र में डॉ. वंदना पुनिया, प्रोफेसर गुरु जाम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार (हरियाणा) द्वारा टिचिंग लर्निंग प्रोसेस, डिजिटल प्लेटफार्म आडियो-विडियो, स्लाईड, पीपीटी, आदि का प्रयोग कब और कैसे किया जाये इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

अंत में श्रीमती नीला चौधरी, व्याख्याता उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर द्वारा फीडबेक और सभी वक्ताओं को धन्यवाद दिया गया।

द्वितीय दिवस–

दिनांक 20-01-2021 को कक्षा प्रबंधन ऑनलाईन ट्रेनिंग प्रोग्राम का आरंभ निर्धारित समय दोपहर 2.00 बजे से शुरुआत हुई जिसमें प्रशिक्षार्थियों से पूर्व दिवस के गतिविधियों पर फीडबेक एवं सुझाव आमंत्रित किया गया।

प्रथम सत्र का प्रारंभ डॉ. बी.व्ही. रमना राव द्वारा 'सक्रिय कक्षा वातावरण' पर उपयोगी व प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण पीपीटी के द्वारा दिया गया। जिसमें शिक्षक केन्द्रित से विद्यार्थी केन्द्रित वातावरण में अपना बदलाव वर्तामान समय में उचित दृष्टांत के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

तत्पश्चात् डॉ. शिशिरकना भट्टाचार्य, प्राचार्या, डाईट दुर्ग द्वारा मल्टीलिंगवल क्लास रुम टिचिंग के महत्व को विभिन्न चित्रों के माध्यम से समावेशी कक्षा में भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला गया, जिसको सभी प्रशिक्षार्थियों ने बहुत ही रुचि से सुना और प्रशंसा किया।

उद्बोधन के मध्य में प्रशिक्षार्थियों द्वारा चेक बॉक्स में अपना विचार प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अंत में दोनों सत्र के गतिविधियों के फीडबेक के लिये स्वजांच प्रतियोगिता मेंटीमीटर के माध्यम से श्री गौरीशंकर कौशिक द्वारा प्रश्न दिया गया।

तृतीय दिवस–

दिनांक 21-01-2021 को कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व दिवस के प्रशिक्षण का शिक्षकों से फीडबेक लिया गया। तत्पशचात् डॉ. निशी भाम्बरी, प्राचार्या, उन्नत शिक्षण संस्थान बिलासपुर द्वारा क्लास रुम बीहेव्हीयर ऑन टॉस्क एवं ऑफ टॉस्क पर बहुत ही रोचक व सरल उदाहरणों के माध्यम से उपयोगी जानकारी दी गई। इनके द्वारा प्रतिभागी शिक्षकों से भी जानकारी प्राप्त कर अंतः क्रिया किया गया।

द्वितीय सत्र में श्रीमती रीमा शर्मा द्वारा कक्षा में प्रभावी सम्प्रेषण कैसे हो इस विषय पर प्रकाश डाला गया। सम्प्रेषण की प्रभावी विधियां तथा शिक्षक एवं छात्रों के बीच सम्प्रेषण पर अंतः क्रिया के द्वारा प्रतिभागी शिक्षक शिक्षिकाओं से चर्चा की गई।

चतुर्थ दिवस–

चुतर्थ दिवस 22-01-2021 का आरंभ डॉ. ए.के. पोद्दार द्वारा कक्षा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की आधारभूत अवधारणा पर सारगर्भित चर्चा की गई। इनके द्वारा शिक्षण सूत्र, शिक्षण कौशल, शिक्षण प्रविधि आदि विषयों पर बहुत ही सुन्दर प्रस्तुतिकरण किया गया। चेक बॉक्स में शिक्षक साथियों द्वारा बहुत ही सुन्दर सुन्दर टिप्पणी लिखी गई।

द्वितीय सत्र में श्रीमती नीला चौधरी द्वारा कक्षा संचालन के प्रभावी सिद्धांत और कक्षा संचालन के व्यवहारिक सुझाव पर दृष्टांतों के माध्यम से सुन्दर प्रस्तुतिकरण किया गया।

पंचम दिवस–

दिनांक 23-01-2021 को पंचम दिवस का आरंभ पूर्व दिवस की प्रशिक्षण का फीडबेक लेने के पश्चात् डॉ. रश्मि सिंघई, प्रोफेसर आर.आई.ई. द्वारा डिजिटल क्लासरुम लर्निंग पर जिसमें गूगल क्लासरुम मूक्स के प्रोग्राम तथा ऑनलाईन प्लेटफार्म पर चर्चा की गई।

द्वितीय सत्र में डॉ. अंजली कुमारी, सहायक प्राध्यापक समस्तीपुर बिहार द्वारा कक्षा प्रबंधन में आंकलन के महत्व पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इनके द्वारा कक्षा प्रबंधन में सतत् व व्यापक आंकलन पर विभिन्न गतिविधि पर सुन्दर प्रस्तुतिकरण किया गया।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा समग्र रुप से पांच दिवसीय कक्षा प्रबंधन प्रशिक्षण की सफलता संबंधी फीडबेक लिया गया। तत्पश्चात् स्व आंकलन प्रपत्र को प्रदान कर फीडबेक लिया गया।

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती नीला चौधरी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया व प्रतिभागी शिक्षकों को शुभकामनाओं के साथ श्रीमती कीर्ति तिवारी व श्रीमती नीला चौधरी द्वारा कार्यक्रम की समापन की घोषणा अपने सहयोगी टीम जिसमें श्री सुरेश साहू, श्रीमती आकांक्षा अग्रहरी, श्रीमती श्रुति अग्रवाल, श्री गौरीशंकर कौशिक, श्री अश्वनी भास्कर के सहयोग से कार्यक्रम सफल हो पाया, इस हेतु धन्यवाद दिया गया।

उपलब्धिः–

कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक, सहज रूप से बिना तकनीकी व्यवधान के गूगल मीट के माध्यम से आयोजन किया गया जिसमें 268 प्रतिभागियों ने अपनी सहभगिता दी। कार्यक्रम में सक्रिय रूप से प्रतिभागियों के द्वारा प्रतिपुष्टि प्रदान की गई एवं क्षेत्रीय स्तर में आने वाली समस्याओं का समाधान भी प्राप्त किया।

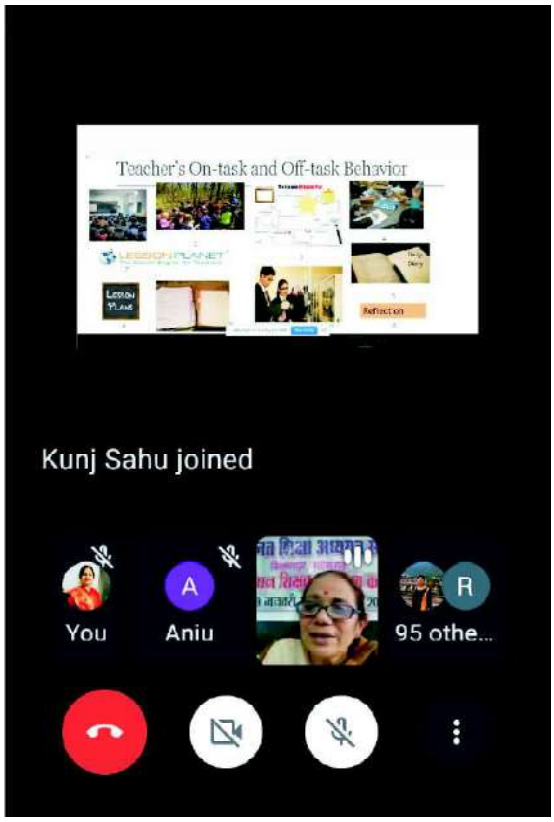

उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान्
बिलासपुर छत्तीसगढ़
कक्षा प्रबंधन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम
दिनांक 19 जनवरी से 23 जनवरी 2021 तक
POCO M2

POCO

न्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान्
बिलासपुर छत्तीसगढ़
बंधन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम
क 19 जनवरी से 23 जनवरी

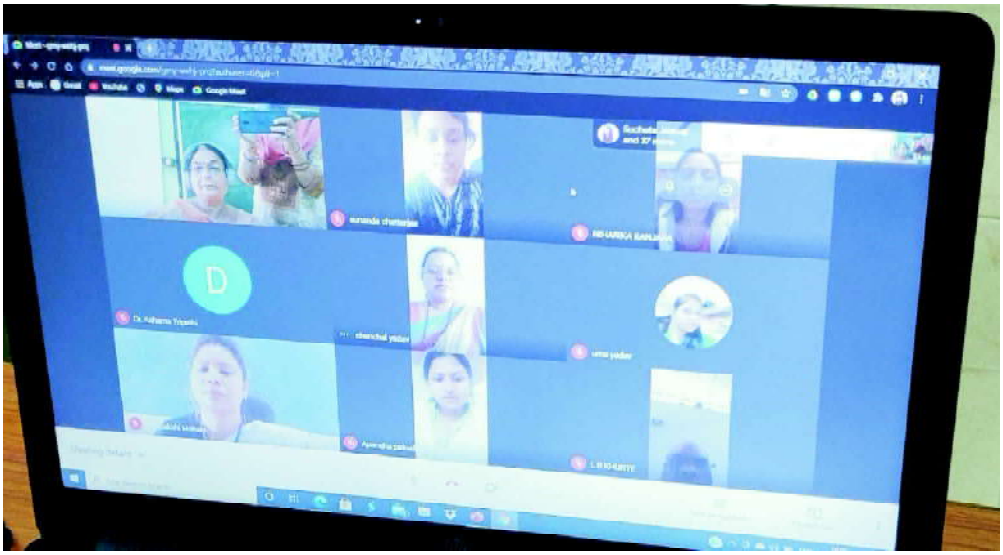

8

शिक्षक प्रशिक्षक कार्यक्रम

विषय	-	लिंग संवेदीकरण शिक्षक प्रशिक्षण
दिनांक	-	02 फरवरी से 5 फरवरी 2021
समय	-	अपरान्ह 2:00 बजे से 4:30 बजे तक
कार्यक्रम प्रभारी	-	श्रीमती प्रीति तिवारी, डॉ.ए.के.पोद्दार, सुदेशना वर्मा व श्रीमती नीला चौधरी
तकनीकी टीम	-	श्री अरविंद गुप्ता, श्री राजेन्द्र चतुर्वेदी, सुश्री ललिता ठाकुर, श्रीमती तृप्ति झा
विषय विशेषज्ञ	-	डॉ. अनिता नूना, प्रो. एन.सी.ई.आर.टी. दिल्ली, डॉ. उषा शर्मा, प्रो. एन.सी.ई.आर.टी. दिल्ली, डॉ.के.के. मिश्रा, प्राचार्य रेलवे इंग्लिश मीडियम स्कूल, डॉ.सी.साई गीता, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, डॉ.जे.के.लोढ़ा, प्रो.राजकीय कॉलेज, राजस्थान।
हितग्राही समूह	-	उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक एवं बी.एड. व एम.एड. के प्रशिक्षार्थीगण
ऑनलाइन कार्यक्रम प्लेटफार्म	-	गुगल मीट

कार्यक्रम विवरण–

परिचर्चा में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ के रुप में डॉ. अनीता नूना, प्रोफेसर एनसीईआरटी दिल्ली के द्वारा जेण्डर पक्षपात के संदर्भ में सुरक्षात्मक उपायों पर डॉ. उषा शर्मा, प्रोफेसर एनसीईआरटी दिल्ली द्वारा लिंग संवेदीकरण के संदर्भ में सामाजिक असमानता डॉ. जितेंद्र कुमार लोढ़ा, प्रोफेसर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयपुर, लिंग संवेदीकरण के संदर्भ में मीडिया की भूमिका डॉ. सी.सीईं गीता; प्रोफेसर टी. आई. एस. एस. मुंबई, लिंग संवेदीकरण के संदर्भ में शाला व समुदाय की भूमिका तथा डॉ. के.के. मिश्रा प्राचार्य; रेलवे उच्चतर माध्यमिक शाला बिलासपुर द्वारा कक्षाकक्ष में लिंग संवेदीकरण के संदर्भ में सारगर्भित उपयोगी रोचक जानकारी साझा की गई।

प्रथम दिवस (दिनांक 02-02-2021)

कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वंदना के साथ हुई तथा कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती प्रीति तिवारी एवं सह-समन्वयक डॉ. ए. के. पोद्दार के द्वारा लिंग संवेदीकरण शिक्षक परिचर्चा कार्यक्रम की रुपरेखा

व उद्देश्य पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात डॉ. निशी भाम्बरी, प्राचार्य द्वारा लिंग संवेदीकरण क्या है व इसकी आवश्यकता क्यों है पर महत्वपूर्ण जानकारी सरल व सहज उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट की सभी शिक्षक संबंधित नवाचार एवं नवीन प्रयोग कैसे करें बाताया तथा शिक्षकों की शंकाओं को भी दूर किया। विकसित भारत सही मायनों में तभी विकसित माना जाएगा जब तक महिलाओं के साथ-साथ सभी को मान-सम्मान व अवसर प्रदान न किया जाय परिचर्चा में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ के रुप में डॉ. अनीता नूना, प्रोफेसर एनसीईआरटी दिल्ली के द्वारा जेण्डर पक्षपात के संदर्भ में सुरक्षात्मक उपायों पर बेबाकी से अपनी बात रखी व उदाहरणों के माध्यम से सामाजिक असमानता व इससे उत्पन्न समस्याओं की जानकारी दी एवं समाधान पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में आयोजन टीम के द्वारा विभिन्न शालेय गतिविधियां एवं डॉ. कमला भसीन के प्रभावी वीडियों को साझा किया गया।

द्वितीय दिवस (दिनांक 03-02-2021)

कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागी श्री शिव नोनिया के प्रतिपुष्टि के माध्यम से की गई फीडबैक के पश्चात् श्रीमती प्रीति तिवारी के द्वारा आज के कार्यक्रम की रुपरेखा बताई। तत्पश्चात् डॉ. ए. के.पोद्दार द्वारा भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति व संवैधानिक प्रावधान पर प्रकाश डाला गया। पूर्व वैदिक काल मध्य काल तथा उत्तरकाल में महिलाओं की स्थिति में आए बदलाव की जानकारी देते हुए वर्तमान संवैधानिक प्रावधानों पर रोचक प्रस्तुति दी। लिंग संवेदीकरण जागरुकता शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। डॉ. के.के. मिश्रा प्राचार्य; रेलवे उच्चतर माध्यमिक शाला बिलासपुर द्वारा कक्षाकक्ष में लिंग संवेदीकरण के संदर्भ में सारगर्भित उपयोगी रोचक जानकारी साझा की गई।

तृतीय दिवस (दिनांक 04-02-2021)

कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागी श्री शिव नोनिया के प्रतिपुष्टि के माध्यम से की गई फीडबैक के पश्चात् श्रीमती तिवारी के द्वारा आज के कार्यक्रम की रुपरेखा बताई। तत्पश्चात् डॉ. उषा शर्मा; प्रोफेसर एनसीईआरटी दिल्ली द्वारा लिंग संवेदीकरण के संदर्भ में सामाजिक असमानता पर अपनी बात बहुत ही बेबाकी से रखी उन्होंने बताया कि शाला में बच्चों में संवेदनशीलता विकसित करना एक दिन का कार्य नहीं हैं एक सतत प्रक्रिया है अतः **stereotype** व्यवहार को रोकने व वांछित व्यवहार को विकसित करने की आवश्यकता हैं। इस हेतु कक्षा में रोल प्ले कहानियाँ संस्मरण व खेल द्वारा संवेदीकरण विकसित किया जाना चाहिए। सामाजिक संरचना की पुनरावृत्ति करने की आवश्यकता है। डॉ. जितेन्द्र कुमार लोढ़ा; प्रोफेसर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयपुर लिंग संवेदीकरण के संदर्भ में मीडिया की भूमिका पर चर्चा की व बताया कि विज्ञापन में महिलाओं को घरेलू काम करते हुए ही दिखाया जाता है। इस स्वरुप को तोड़ने की आवश्यकता है। मीडिया में कुछ चीजें सेंसर करने व भेदभाव को रोकने की आवश्यकता

है। पाठ्य पुस्तकों में भी विषय वस्तु व उदाहरणों में बदलाव लाने की आवश्यकता है। श्रीमती नीला चौधरी के द्वारा लिंग निरपेक्ष शालेय गतिविधियों की जानकारी प्रतिभागियों को सहभागिता में दी गई।

चतुर्थ दिवस (दिनांक 05-02-2021)

कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागी श्रीमती श्रुति अग्रवाल के प्रतिपुष्टि के माध्यम से ही गई फीडबैक के पश्चात् श्रीमती प्रीति तिवारी के द्वारा आज के कार्यक्रम की रुपरेखा बताई। डॉ. सी. साई गीता; प्रोफेसर टी.आई.ए.एस.एस. मुंबई लिंग संवेदीकरण के संदर्भ में शाला व समुदाय की भूमिका पर रोचक व क्रमबद्व जानकारी दी गई। इन्होंने जेण्डर व सेक्स में अंतर स्पष्ट करने रोचक व गतिविधि द्वारा प्रतिभगियों की सहभगिता ली। वर्तमान समय में शिक्षा से ही टांसजेण्डर की पहचान इनके प्रति समानभाव व आदरभाव लाना संभव है। विभिन्न प्रकारों के मध्य रेखा समाज के द्वारा ही खीचीं गई है। जिसे मिटाना आवश्यक है। समानता व समता की चर्चा व स्थापना कक्षा के माध्यम से ही हो सकती है। नवीन सामाजिक अवधारणा व पितृसत्तात्मक समाज में अनूकुलन के द्वारा लिंग संवेदीकरण कक्षा व समुदाय की जिम्मेदारी है। श्रीमती सुदेशना वर्मा के द्वारा लिंग संवेदीकरण में महिला समितियों की भूमिका की जानकारी साझा की गई। समुदाय में कार्यरत विभिन्न समितियों के नाम व कार्यो की विस्तृत जानकारी दी गई। गुलाबी गैंग, SEWA महिला किसान अधिकार समिति, आजाद फाउंडेशन संगत संगठन इत्यादि पर विस्तुत जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती प्रीति तिवारी के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

उपलब्धिः-

ऑनलाइन लिंग संवेदीकरण शिक्षक परिचर्चा कार्यक्रम में लगभग 350 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता प्रदान की एवं प्रतिदिन होने वाली प्रश्नोतरी एवं प्रतिपुष्टि कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भूमिका दर्शाए। कार्यक्रम बहुत संजीव रुप से सफलतापर्वूक आयोजित किया गया। प्रतिभागियों की संख्या 100 से अधिक होने पर यूट्यूब में लाईव स्ट्रीमिंग प्रदान की गई। कार्यक्रम की सफलता में तकनीकी समूह का बहुत अधिक योगदान रहा। देश सुचारु रुप से सशक्त रुप से कार्य करते रहे।

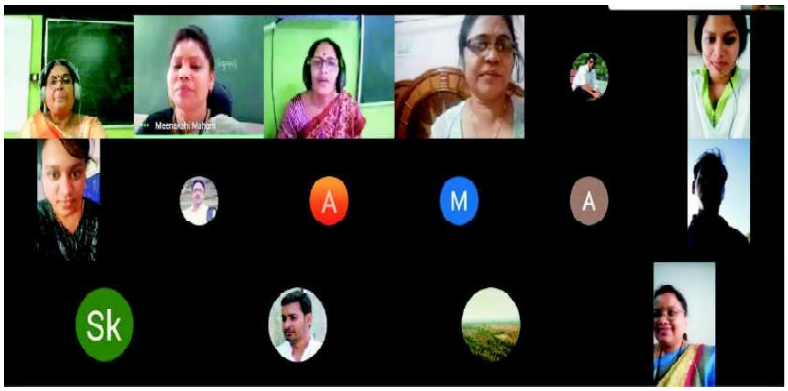

लिंग संवेदीकरण की प्रक्रिया व क्रियाविधि पर हुई परिचर्चा, शिक्षक ने रखे अपने विचार

उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान में दो से पांच फरवरी तक आनलाइन किया गया आयोजन

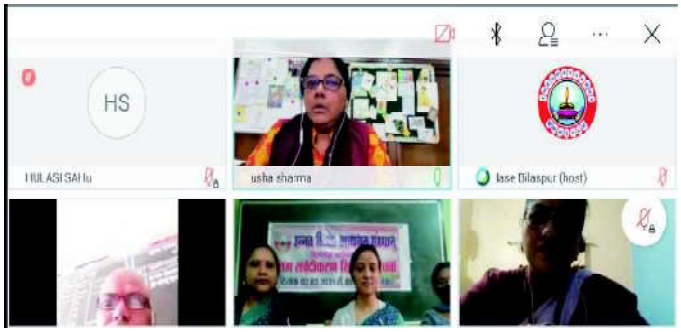

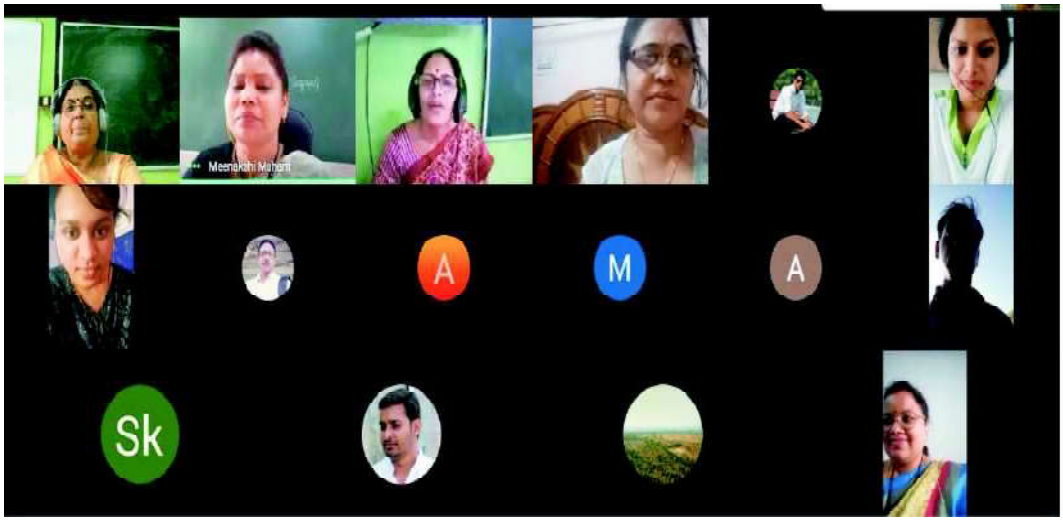

9

कार्यक्रम का नाम	-	**गणित विषय उन्नयन कार्यक्रम**
प्रभारी का नाम	-	डॉ.रमणाराव एवं श्री डी.के.जैन
समय अवधि	-	6-12-2000 से 11-12-2000 तक
उन्मुखीकरण लेखन कार्य	-	14 दिसम्बर से 20 दिसम्बर 2020, 7 दिवसीय
हितग्राही समूह	-	गणित विषय के अध्यापनकर्ता हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी के शिक्षक (संख्या 300)
ऑनलाइन कार्यक्रम प्लेटफार्म	-	सिस्को वेबेक्स
विषय विशेषज्ञ	-	डॉ. पायल पाण्डेय, श्री अनिल साहू श्री पार्थ सारथी भट्टाचार्य सुश्री सोनम तम्बोली व श्री गोविंद साहू
तकनीकी समूह	-	श्री सुरेश साहू श्री अरविंद गुप्ता

कार्यक्रम विवरण–

वर्तमान शिक्षा के बदलते परिवेश में अध्यापन में शिक्षक विधियों में कम्प्यूटर एवं मोबाइल को सीखाने के साधन के रुप में शामिल करना आवश्यक हो गया है।

कोविड 19 के संक्रमणकाल में ऑनलाइन, शिक्षा ही एकमात्र विकल्प रहने की स्थिति में गणित विषय का अध्यापन कठिन काम है। अतः गणित विषय में अध्ययन–अध्यापन के लिए कम्प्यूअर व मोबाइल का सरल व सहज उपयोग हेतु विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रयास कि;या गया है।

- बहुपद– क्या, क्यों व कैसे, त्रिकोणमिति, समीकरण में चरों की भूमिका पर डॉ.पायल पाण्डेय द्वारा उन्मुखीकरण बहुत ही सहज व सरल रुप से किया गया।
- श्री गोविंद प्रसाद साहू द्वारा अनुक्रम एवं श्रेणी के अनुप्रयोग, गणित की अवधारणा, गणित शिक्षण में तकनीकी की भूमिका विषय पर उदाहरण देकर प्रकाश डाला गया।
- श्री पार्थ सारथी भट्टाचार्य के द्वारा समरुपता त्रिकोणमिति अनुपात व गणित में तकनीकी को उचित उदाहरण देकर दैनिक जीवन से जोड़कर स्पष्ट किया गया।

- श्री अनिल साहू द्वारा एक चर का द्विघात समीकरण तथा सोनम तम्बोली द्वारा टच पेन की उपयोगिता पर सरलतम व उपयुक्त जानकारी प्रदान की।

गणित विषय के शिक्षक नवाचारी शिक्षण विधियों से परिचित हुए व संशय को दूर किया।

उपलब्धि–

कम्प्यूटर, लेपटॉप, मोबाइल आधारित गणित शिक्षक उन्नयन ऑनलाइन कार्यक्रम के लिये गणित अध्यापनकर्ता उच्च व उच्चतर माध्यमिक शाला के 522 शिक्षकों ने पंजीकरण किया तथा 300 शिक्षकों को प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।

शिक्षकों ने नवाचारी गणित की विधियों में कम्प्यूटर–मोबाइल के उपयोग की आवश्यकता महसूस की व कार्यक्रम में दी गई जानकारी को उपयोगी पाया गया। जिसका उपयोग वे पढ़ई तुहंर दुआर कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन कक्षा में करने सक्षम हुए।

INSTITUTE OF ADVANCE STUDIES IN EDUCATION
BILASPUR (C.G.)
ON LINE ICT ORIENTATION PROGRAMME

Manoj Yadav
Photo
बिलासपुर जिला से उन्नत शिक्षा संस्थान के द्वारा आयोजित गणित विषय से संबंधित विभिन्न एप्प के माध्यम ऑनलाइन क्लास को ऑर्गनाइज करना (वर्कशाप)बहुत ही शानदार एवम ज्ञानवर्धक रहा। इसके लिए पुरे टीम को बहुत बहुत बधाई । और आप सभी से एक सादर निवेदन है कि भविष्य में इसी तरह का वर्कशॉप का आयोजन कर हम सभी को अपडेट करते रहे जिससे आने वाले समय मे हम सभी नवीन टेक्नोलॉजी का उपयोग कर बच्चों को अधिक से अधिक लाभ पहुँचा सके।
मनोज यादव
शा कन्या उ मा वि रत्नपुर
5:45 PM
~B.D Gupta
Forwarded
बहुत ही ज्ञानवर्धक ऑनलाइन वर्कशाप ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए। 🙏🙏🙏
5:57 PM
Vinod Sahu B.Ed. Stu
Thanks to Respected Madam/ Sir of IASE Bilaspur and Trainers (Sir/ Madam). It was encouraging session and excellent program for us.
5:53 PM
+91 98279 54510
Really it was encouraging and useful training sessions and programs for all of us
6:24 PM
Thanks to all respected teacher's of IASE Bilaspur
6:24 PM
+91 94255 39389
उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 6 दिवसीय ऑनलाइन गणित उन्मुखीकरण कार्यक्रम उपयुक्त शब्दावली व सरल भाषा शैली में सहजता से प्रस्तुत किया गया जो जिज्ञासा पूर्ण, ज्ञानवर्धक तथा हृदयंगम रहा ।

ON LINE ICT ORIENTATION PROGRAMME

INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION
BILASPUR CHHATTISGARH

Organises:

Online Mathematics Orientation Programme
(Secondary School Teachers)

Date: 15-Dec-2020 to 20-Dec-2020
Time: 2:00P.M. – 05:00P.M.

***Thrust Areas-**

Mobile ppt, ICT in Mathematics
Open Resources of Mathematics
Polynomials
Number Series and Reasoning
Height of Your School
Digital Geometry
Limits & Continuity in Calculus

Principal-
Dr. Nishi Bhambri

Coordinator-
Dr. B.V. Ramana Rao

Programme Organiser -
Dinesh Kumar Jain

Organising Team-
Parthrathi Bhattacharya
Dr. Payal Pandey, Suresh Sahu
Govind Prasad Sahu, Arvind Gupta
Anil Sahu, Sonam Tamboli
Vidya Bhushan Sharma

Registration Link:- https://forms.gle/KVHyF12AkeCJE5K49

Google meet Link:- https://meet.google.com/gry-fwjd-nus

Webex Link:- https://principaliase.webex.com/meet/bilaspuriase

Webex Code - 912998647

Contact Us: D.K. Jain - 9229102111, Dr. B.V.R. Rao - 9425548135,
Anil Sahu - 9993450992, Dr. Payal Pandey - 9630526162,
G. P. Sahu - 9617050874, P. Bhattacharya - 6264209290
Website:- https://www.iasebsp.com **Email:-** iasebilaspur@gmail.com

10

आई.सी.टी. उन्मुखीकरण/संवर्धीकरण कार्यक्रम

प्रभारी का नाम – डॉ. रमणा राव, डॉ. संजय आयदे,
श्री डी.के.जैन, श्री डी. चतुर्वेदी.....

कार्यक्रम दिनांक/अवधि – 12 फरवरी से 17 फरवरी 2021

हितग्राही समूह – डॉ. श्रिया साहू (अटल बिहारी वाजपेयी वि.वि. बिलासपुर)
डॉ. कृष्णा शंकर, कुसमा जामिया, विलिया वि.वि.,नई दिल्ली
डॉ. पुष्पेश कश्यप, गुरु घासीदास वि.वि., बिलासपुर (छ.ग.)
डॉ. निशांत मंजुल, गुरुकुला कांगड़ी वि.वि., हरिद्वार
डॉ. विनीत अवस्थी,डॉ.सी.व्ही.रमण वि.वि., कोटा (छ.ग.)
डॉ. रिचा हाण्डा, डी.पी.विप्र महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
डॉ. सिल्वेस्टर डिसूजा, गुरु घासीदास वि.वि., बिलासपुर (छ.ग.)

तकनीकी समूह – श्री सुरेश साहू, श्री गौरीशंकर कौशिक,
श्री विद्याभूषण शर्मा, श्रीमती श्रुति अग्रवाल
सुश्री सोनम तम्बोली, श्री विनोद साहू
श्रीमती डी.कालीरत्नम्

कार्यक्रम प्लेटफार्म – वेबेक्स व यू-ट्यूब

कार्यक्रम विवरण-

वर्तमान बदलते शैक्षिक परिदृश्य में शिक्षकों समक्ष ऑनलाइन कक्षा संचालन की चुनौती है एवं शिक्षक में डिजीटल कौशल के विकास की आवश्यकता महसूस कीक जा रही है, अतः शिक्षकों को ऑनलाइन कक्षा संचालन हेतु आवश्यक बेसिक डिजिटल कौशल के विकास के उद्देश्य से यह कार्यक्रम का आयोजन निम्नानुसार किया गया-

प्रथम दिवस (दिनांक 12.02.2021)

प्रथम दिवस का उन्मुखीकरण कार्यक्रम निर्धारित समयानुसार के **WEBEX** माध्यम से **Online** प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम दो पाली में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम सरस्वती वंदना से शुभारंभ हुई।

कार्यक्रम के सह संयोजक श्री डी.के. जैन ने ऑनलाईन उन्मुखीकरण कार्यक्रम के संदर्भ में परिचय एवं उद्देश्य के विषय में अवगत करायें। संस्था के प्राचार्य डॉ. निशी भ्राम्बरी ने अपने उद्‌बोधन में कहा आज के संदर्भ में प्रत्येक शिक्षक को आई.सी.टी का ज्ञान होना जरुरी है।

प्रथम रिसोर्स पर्सन डॉ. श्रिया साहू **Google Classroom** में क्लॉस कैसे बनाएं, पाठ्य–सामाग्री छात्रों को कैसे प्रदान करें एवं मूल्यांकन कैसे करें? इस पर विस्तार से चर्चा की। द्वितीय पाली में डॉ. संजय आयदे व सुश्री सोनम तम्बोली द्वारा छत्तीसगढ़ के **E-contents, Google Go App, Google Slides, Chatter Pix, Kine master** एवं कम खार्च में **Smart Board** की तरह एक **Glass** (कांच) को कैसे उपयोग किया जा सकता है।

द्वितीय दिवस (दिनांक 13.02.2021)

द्वितीय दिवस के उन्मुखीकरण कार्यक्रम के प्रथम पाली में डॉ. रिचा हाण्डा के द्वारा **Active Presenter Software** विषय में विषय सामाग्री निर्माण **Presentation, Animation, Audio, Video** की विस्तृत चर्चा की गई।

द्वितीय पाली में डॉ.बी.वी. रमना राव एवं श्री सुरेश साहू ने मोबाईल के माध्यम से **Video Editing** और से **Youtube** संबंधित जानकारी साझा की गई। इसके साथ ही विद्यालयीन गतिविधियों से संबंधित **Invitation Card** आदि की जानकारी प्रदान की गई।

तृतीय दिवस (दिनांक 14.02.2021)

तृतीय दिवस के उन्मुखीकरण कार्यक्रम के प्रथम रिसोर्स पर्सन डॉ. निशांत मुंजल द्वारा **Gmail** और **Search Engine** पर बेहतर जानकारियां दी गई। जिसमें **Filters** और **Save Mail** आदि की जानकारी दी गई।

द्वितीय पाली में श्री डॉ.के. जैन द्वारा **MS-Office** के विषय में विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही **E-contents** तैयार करने से संबंधित टिप्स दिए गए।

चतुर्थ दिवस (दिनांक 15.02.2021)

चतुर्थ दिवस के कार्यक्रम के प्रथम पाली में डॉ.के.एस.कुशुमा द्वारा **NROER, DIKSHA, SWAYAM, MOOCS, NPTEL, TESS-INDIA, GOORU Information**के विषय में विस्तृत चर्चाएं की गई। इन **Platforms** पर उपलब्ध सामाग्रियों से शिखक अपने योगयताओं में वृद्धि करने के लिए किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है? विस्तृत चर्चा की गई।

द्वितीय पाली में श्री एस.डिसूजा एवं श्री अरविंद गुपता द्वारा **Google Chrome, Google Lens, Digi Locker** एवं **Google** से संबंधित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

पंचम दिवस (दिनांक 16.02.2021)

पंचम दिवस कार्यक्रम की प्रथम पाली में रिसोर्स पर्सन प्रो. पुष्पेश कश्यप द्वारा **Open Learning Resources** की शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगिता तथा **e-library** व पुस्तकों उपयोग शीर्षक के अंतर्गत **e-gyankosh, e-library, gyanvani, e-kosh, e-yantra, e-pathshala, TV Classes** (छ.ग.) **e-vidya,** पढ़ई तुहर द्वार पर उपलब्ध सामाग्रियों का उपयोग,

SWAYAM, DIKSHA, SWAYAM PRABHA शोध के संदर्भ में **Shodhganga Shodhsindu, Shodhgangaotri** एवं **shodhshuddhi** से संबंधित चर्चा की गई।

द्वितीय पाली में डॉ.विनीत अवस्थी एवं श्री गौरीशंकर कौशिक द्वारा **google from** में **test paper** तैयार करना। विभिन्न प्रकार के **setting** से संबंधित बाते बताई गई। साथ ही **Mentimeter** द्वारा **Assignments** करने के लिए **quize** बनाने की क्रियाविधि पर विस्तार से चर्चा की गयी।

षष्ठम दिवस (दिनांक 17-02-2021)-

षष्ठम दिवस ऑनलाईन उन्मुखीकरण कार्यक्रम की प्रथम पाली में रिसोर्स पर्सन श्री दीपाशंकर भौमिक ने प्रतिभागियों द्वारा पूछे प्रश्न के उत्तर देतु हुए बताये कि **Sugarizer, Phet Simulation Labs** के बारे में विस्तृत जानकारी दिय। उन्होंने शिक्षकों को **virtual lab** से संबंधित समस्याओं का समाधान के लिए **schoolsupport@clixindia.org** में **mail** कर हल प्राप्त करने की सलाह दी। इसी **session** में श्री अरविंद गुप्ता ने **google** से संबंधित **google chrome, google lens, digi locker, google doc.google translator, google froms, bluestacks** पर चर्चा किये।

द्वितीय पाली में श्री दुष्यंत चतुर्वेदी ने छः दिवसीय कार्यक्रम का संक्षिप्त प्रतिपुष्टि प्रस्तुत किये। साथ ही समापन समारोह में उपस्थित संस्था के प्राचार्य डॉ.निशी भाम्बरी का स्वागत करते हुए उद्‌बोधन व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किये।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ.बी.व्ही.रमना राव ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी रिसोर्स पर्सन, संस्था के प्राचार्य सभी प्रतिभागियों, कार्यक्रम के सहसंयोजक डॉ.संजय आयदे, श्री डी.के.जैन एवं श्री दुष्यंत चतुर्वेदी सहित पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किये।

उपलब्धि–

आई.सी.टी. उन्मुखीकरण/संवर्धीकरण कार्यक्रम में हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी शालाओं के सभी विषय के लगभग 3460 शिक्षकों का पंजीयन हुआ एवं 2800 प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम की सफलता प्रतिभागियों द्वारा शत–प्रतिशत बताई गयी व ऑनलाइन कक्षा संचालन में उपयोगी पाया।

–00–

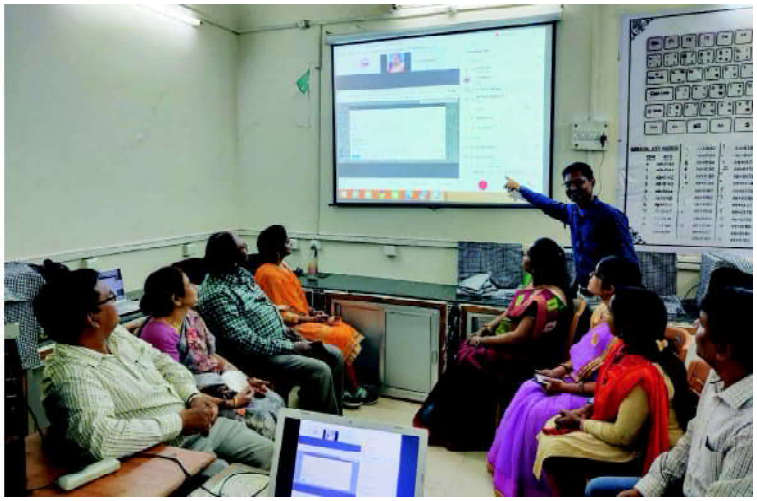

INSTITUTE OF ADVANCE STUDIES IN EDUCATION
BILASPUR, (C.G.)
(Affiliated to Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur, C.G.)

ORGANISING TEAM:-
ONLINE ICT ORIENTATION PROGRAMME

Dr. B. V. RAMANA RAO

Mr. D. K. JAIN

Dr. SANJAY AYALE

Mr. D. CHATURVEDI

INSTITUTE OF ADVANCE STUDIES IN EDUCATION
BILASPUR, (C.G.)
(Affiliated to Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur, C.G.)

RESOURCE PERSONS:-
ONLINE ICT ORIENTATION PROGRAMME

VIDYA B. SHARMA

ARVIND GUPTA

SONAM TAMBOLI

GAURI S.KAUSHIK

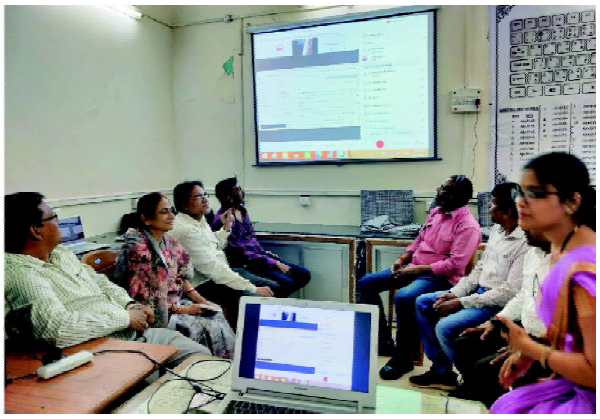

आयोजन **उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान में उन्मुखीकरण कार्यक्रम**

पढ़ाई हुई आसान, शिक्षकों को मिली ट्रेनिंग

बिलासपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शासकीय उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान (आइएएसई) तारबाहर में शिक्षकों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम हुआ। विशेषज्ञों ने शिक्षकों को गूगल क्लासरूम, गो एप, चेटर पिक्स, स्लाइड व काहूट की उपयोगिता को विस्तार से समझाया। गूगल क्लास रूम से पढ़ाई को कैसे आसान बनाया जा सकता है इसका उल्लेख भी किया।

आइसीटी शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य 'शिक्षा कहीं भी कभी भी' के लिए शिक्षकों को तैयार करना था। पढ़ाई तुंहर दुआर व पढ़ाई तुंहर पारा को लेकर विशेषज्ञों ने टिप्स दिए। विशेषज्ञ डा. श्रीया साहू, संजय आयदे व सोनम तंबोली ने विद्यार्थियों को गूगल क्लासरूम, गो एप, चेटर पिक्स, स्लाइड व काहूट के माध्यम से पढ़ाने पर जोर दिया। आइसीटी के नए साफ्टवेयर और गोबाइल एप से भी परिचय कराया। विशेषज्ञ रिचा हांडा व सुरेश साहू ने एक्टिव प्रेजेंटर के माध्यम से शिक्षण को प्रभावी बनाने डिजीटल वीडियो बनाने और यूट्यूब में अपलोड करने की जानकारी दी। कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के विशेषज्ञ डा. निशांत कुमार ने जीमेल के विभिन्न फीचर्स को समझाया। व्यापारिक जीवन में ईमेल की उपयोगिता पर भी जोर दिया। दिनेश जैने ने एमएस आफिस टूल से संबंधित जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में शिक्षकों को नवीन तकनीक की जानकारी प्रदान करने के साथ ही स्कूल में बच्चों की पढ़ाई को आसान टिप्स भी दिया गया, ताकि बच्चे घर में रहते हुए आसानी से पढ़ाई पूरी कर सकें। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्राचार्य डा. निशी भावरी, डा.वीवी रमणा राव, दुष्यंत कुमार चतुर्वेदी, एमएड प्रशिक्षार्थियों में राजेंद्र चतुर्वेदी, अरविंद गुप्ता, विनोद साहू, गौरी शंकर कौशिक, श्रुति अग्रवाल, डी. कालीरत्नम, गुलनाज खान आदि का विशेष योगदान रहा।

INSTITUTE OF ADVANCE STUDIES IN EDUCATION
BILASPUR, (C.G.)
(Affiliated to Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur, C.G.)

GUEST RESOURCE PERSONS
ONLINE ICT ORIENTATION PROGRAMME

Dr.Shriya
Faculty, Dept. of CSA
ABVV,Bilaspur

Prof. P. Kashyap
ICT Expert
GGU, Bilaspur

Dr. K. S. Kusuma
Faculty AJK MCRC
J.M.I.Uni. New Delhi

Dr. Vineet Awasthi
Dr. C. V. Raman Uni.
Kota BSP

Dr. Richa Handa
D.P.Vipra College
Bilaspur

Sylvester D'souza
Ex-Professor
GGU BSP

Dr.Nishant Munjal
Gurukula Kangri Uni.
Haridwar (U.khand)

D. Bhoumik
Asst.Professor
SCERT, Raipur

Dr. Nishi Bhambri
Principal
IASE Bilaspur